

## वास्तु किल्नींग : -

- अपने पूरे घर में पंचामृत छीड़के। दादाजी का संकल्प करके। पोंछा मारने से पहले छीड़के ताकी पोंछा मारने से वो साफ हो जाये। छीड़कने के दस मीनीट बाद पोंछा मार सकते है।
- मुख्य ध्वार को पंचामृत से घोये। दादाजी का संकल्प करके।
- घर में रोज घूप कर सकते है।
- घर में कपूर (CAMPHOR) भी जलाना चाहिए।

## ➤ श्री माताजी का ग्यारह ज्योत का करम : -

- एक चौकी लेना है, उस पर एक लाल कपडा रखना है, उस पर कुलदेवी माँ का फोटो रखना है।
- अगर आपको यह न पता हो कि आपकी कुलदेवी माँ कोन है तो आप किसी भी श्री माताजी का फोटो रख सकते है, जिसकी पूजा आप घर में करते है या जिसकी फोटो आप के घर में हो।
- जब आप बैठ कर यह पुजा करेंगे तब आपका चहरा पूर्व कि तरफ होना चाहिए और माँ कि दृष्टि पश्चिम कि तरफ होनी चाहिए।
- चौकी पर माँ कि तसवीर रखने के बाद जमीन पर ग्यारह मिट्टो के दिये रखने है, नीचे दिखाये अनुसार , फिर ग्यारह इंच जगह छोडकर कुम कुम से स्वस्तिक बनाना है, जमीन पर। दिपक खडी लो से घी में या तेल में प्रजवलीत करना है। सारी ग्यारह लो तेल या घी में डुबो के दिपक में रखनी है, क्योंकि अगर आप दिपक को शुध्य घी या तेल से भर देंगे तो वह दिपक एक घंटे तक चलेगा और नियम यह है कि जब तक दिये बुझ नही जाते तब तक आप को पूजा से उठना नही है। इसीलिए आपको लो भीगो कर दिपक में रखने को कह रहे है ताकी यह दिपक कुल दस मीनीट में बुझ जायेगा तो आप अर्जी लगाकर नमन करके खडे हो सकते है।
- दिपक के पास आपको पांच अगरबती भी जलानी है और श्री माताजी के पास कुछ मीठाई या मीठास भी रखनी है।

- परिवार के सारे सदस्य अब माताजी के सामने बैठ जाये। पुज्य दादाजी का संकल्प करे कि दादाजी आपके बताए अनुसार कर रहे है हमारी तकलीफ और संघर्ष दूर हो जाये हमें आपके आशीर्वाद की जरूरत है और हमे माताजी से माफी भी दिलाये और आशीर्वाद भी दिलाये। कृपा करे कृपा करे कृपा करे। फिर दिपक जलाकर अगरबती जलाकर श्री माताजी से अनुरोध करे की पूज्य दादाजी के बताए अनुसार कर रहे है श्री दादाजी ने हमे आशीर्वाद दिये है श्री माताजी हमें आपके आशीर्वाद भी चाहिए। श्री माताजी हमसे हमारे वंश से या हमारे पुंवजो से आपके प्रति यदी कोई गलती हुई हो तो हमे इस नेक करम के ध्वारा आपकी माफी मीले माँ, कृपा करे और माँ हमे आपके आशीर्वाद दिजीए। श्री माताजी हमारी कुछ तकलीफे है आप से प्रार्थना है कि आप हमारी तकलीफो को, संकट को, विघ्न को, कष्ट को दूर करे। इस जगह पर अपनी तकलीफे ब्यान कर दे, उदाहरण के तोर पर, बच्चो की पढ़ाई, प्रमोशन, रुपयों की तकलीफ, डीवोर्स, सेपरेशन, बच्चे न होना, कोर्ट मेटर, घर में तनाव, शरीर में रोग, डीप्रेसन वगेरा वगेरा और माँ से कहो की आगे होकर यह सारी तकलीफ दूर करे और आपका हाथ थामकर आपको प्रगती और उन्नति के रास्ते पर ले जाये।
- उसके बाद आपको माँ से अपनी इच्छाओ की और अपनी जरूरत की अर्जी लगानी है उदाहरण के तोर पर, माँ बच्चो को खुब पढ़ाई दो, उन्हे अच्छा व्यवसाय मीले, अच्छे पात्र शादी के लीये मीले, अच्छा जीवन बसर हो हमेंशा खुशहाल रहे और हमेंशा बच्चो पर माँ अपनी मीठी दृष्टि बनाये रखना।
- बडो को निरोगी शरीर मीले लंबा आयुष्य मीले और हमेंशा खुश रहे।
- कभी नाम की कमी ना हो।
- सुख शांति, समुध्धि आर्थिक स्थिरता मीले, सर्व मंगल हो सर्व मंगल हो सर्व मंगल हो।
- हमेंशा माँ आपका छत्र बना रहे।
- दिये बुझने पर नमन करके खडे हो जाये।

- यह व्यवस्था जैसी कि तैसी रखे एक रात के लिये। सवरे सारी व्यवस्था ले लेनी और स्वस्तिक साफ कपडे से पोंछ दे। दिपक का इस्तमाल शुभ अवसर में कर सकते है।
- यह करम शाम सात और ग्यारह के बीच कर सकते है। जब यह करम करे तब मुख्य ध्वार खुला रहे।
- लेडिस हो सके तो गुजराती टाइप साडी पहने। हो सके तो।
- सबको सिर ढकना है और झोली फैलाकर बैठना है।
- जब आप यह करम करे तब खुब प्रफुल्लीत मन होना चाहिए। कोई विघ्न आये तो चिंतित ना हो।
- अगर आप अपने भाई या चाचा ताउ को इस नेक करम में शामिल करना चाहे तो अच्छी बात है।
- श्री दादाजी और श्री माताजी के आर्शीवाद से सब अच्छा हो जायेगा।
- अपनी कुलदेवी माँ के नाम से रोज एक दिपक जलाये। कुलदेवी माँ के नाम का दिपक अलग होना जरूरी है।

### ➤ भूमि दोष निवारण : -

- मकान या फेफटरी या कोई भी भूमि में दोष हो तो भूमि दोष निवारण हतु एक नेक करम करना है। भूमि में सत्ताबीस इंच गहरा और ग्यारह इंच गोलाकार का गड़ा करना है। उस गढ़े में गाय का कच्चा दूध और पचास ग्राम सिंदूर मीलाकर डालना है और भर देना है, छलो छल। इसमे हमारे अनुमान से करीब पेसठ लीटर दूध लग जाता है।
- यह काम मंगलवार को नही करना है।
- दादाजी का संकल्प करके करना है।
- वास्तु एसोसीएटस में फोन लगाकर कृपा करके पुछं लेना की यह गड़ा पूर्व, दक्षिण, पश्चिम, उतर, ईशान, अग्नि, नैऋत्य या वायव्य कोन में कहाँ करना है। यह सेवा निशुल्क है कहने की आवश्यकता नहीं है।

- जब भूमि माता सारा दूध पी लें तब फिर यह गड़ा मिट्टी से भर देना है। भूमि माता जब यह दूध पी लेगी तब वह तृप्त हो जायेगी और जैसे ही वो तृप्त हो जायेगी वह आपको बहुत आशिष देगी।

### ➤ सिंदूर और दूध का कर्म : -

- आपको सिंदूर और दूध का कर्म करना है।
- आपको गाय का कच्चा दूध लाकर उसमे थोडा सा सिंदूर मिलाकर दादाजी का संकल्प करे और पूरे घर मे धारा करनी है। धारा को ५ या १० मिनिट तक रहेने दे फिर साफ कपडे से पोंछ दे। यह कार्य किसी भी दिन और किसी भी समय कर सकते है।
- दूध और सिंदूर को पानी की खाली बोटल में भर दे और बोटल के ढकन पर एक छोटा पीन होल करे। अब इस पीचकारी से पूरे घर में दूध और सिंदूर की धारा करते हुए पूरे घर की परिक्रमा करे।

### ➤ तेल और सिंदूर का करम : -

- थोडा तेल ले उसमें सिंदूर डाले दादाजी का संकल्प करे, फिर घर से निकल कर श्रो हनुमानजी के मंदिर जाये, उनके श्रीचरणो में इस सिंदूर युक्त तेल को अर्पन करे और फिर वही तेल वापस भर ले, घर ले आये और इस तेल की धारा पूरे घर में करे। मुख्य ध्वार और मेइन गेट पर भी करे। टोईलेट बाथरूम छोड दे। यह करम मंगलवार या शनिवार को ही करे। अगर आपके साथ साथ बहुत लोगो ने मंदिर में तेल चढ़ाया है तो फिकर ना करे, आप तेल चढ़ाये और तेल भर ले, फिर भले किसी और का भी तेल उसमें मीक्स हो जाये, यह करम पूज्य दादाजी का संकल्प करके करे। श्री हनुमानजी के मंदिर जब जाये तब कहे की में दादाजी के आदेश से आया हु, मेरे घर में असुरी शक्तियां है में आपको यह तेल और सिंदूर अर्पित करने आया हु और फिर में यह तेल और सिंदूर भर लुंगा और उसके बाद में अपने घर में इसकी धारा करुंगा मुझे ऐसे आर्शीवाद दिजीए की मेरे घर में इसके बाद कोई असुरी शक्ति रहने न पाये।

## ➤ जूतो के साथ आइ हुइ असुरी शक्ति को नीकाल ने के लिए : -

- जब आप झाड़ु मारते मारते मुख्य ध्वार तक कचरा ले आये तब उस कचरे में से चुटकी भर कचरा लेकर चौराहे पर जाके छोड़ देना है। यह करम पूज्य दादाजी का संकल्प करके करना है। कचरा चौराहे के बीच में छोड़ना है और छोड़ने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखना है।

## ➤ जोस घर में दिव्य उर्जा की कमी हो : -

अ अधिक से अधिक अगरबती घर के हर कमरे में जलाये, हर तीन या पांच फिट के अंतर पर बहुत सारी अगरबती रख कर जलाये और पूरे घर को अगरबती के घुंटे से घेर ले। यह करम एक बार करना है। किस भी दिन और किसी भी समय कर सकते है।

ब अधिक से अधिक दिपक जलाये पूरे घर में जगह जगह फंस पर जलाये, पूज्य दादाजी को संकल्प करे और जीवन का अंधेरा दूर करने के लीये जीवन में प्रकाश भरने की अर्जी लगाये।

च पांच मीठे पत्ते लेने है और पांच सोपारी लेनी है। मकान के चार कोनो में और मध्य में मीठा पत्ता रखकर उसके उपर सोपारी रख देना कुछ समय के लीये। पूज्य दादाजी का संकल्प करके करना है, बहुत नेक करम है, बहुत आनंद वाला जीवन होगा। इस से असुरी शक्तिया नाश होती है और आनंदित उर्जा जागरुत होगी।

ड वीर के सांनिध्य से सिंदूर लाकर पूरे आवास में छिड़काव कर देना है। श्री हनुमानजी के मंदिर जाकर आर्शीवाद मांग कर उनके चरणों से थोड़ा सिंदूर घर पर ले आना है और फिर छिंटकाव करना है। पूज्य दादाजी का संकल्प करके करना है।

## ➤ घर में भूत प्रेत या किसी साये की तकलीफ हो तब : -

- आपको सिंदूर के पंजे का कर्म करना है।
- आपको एक बड़ी थाली लेनी है। उसमें थोड़ा सिंदूर ले के उसमें थोड़ा पानी मिला के दादाजी का संकल्प कर ले और फिर अपने दोनों हाथ के पंजे पानी में रख देने है। फिर घर से बाहर आकर मुड़ जाये और मुख्य दरवाजे की बाहर खड़े हो कर दरवाजे के बाये हाथ की दिवार पर बाये हाथ का पंजा छाप दे और दरवाजे की दाये हाथ की दिवार पर दाया पंजा छाप दे। फिर घर के अंदर आकर दाये हाथ की सबसे छोटी उगली से पूरे घर में जमीन पर लकीर करनी है। उगली को थाली में डुबोने की जरूरत नहीं है, हाथ में जो लगा हुआ सिंदूर है उस से ही लकीर बनानी है। लकीर न भी दिखय दे तो चलेगा। थालीमें बचा हुआ सिंदूर वाला पानी को किसी भी वृक्ष के थल पे चढा दे। यह कार्य किसी भी दिन और किसी भी समय कर सकते है।

### ➤ तंत्र क्रिया को निष्क्रिय करने का करम : -

- आपको तंत्र निवारन का करम करना है। आपको बाजार से छोटा या बड़ा किसी भी साइज का आईना लाना है। पूज्य दादाजी का संकल्प कर के घर के सभी सदस्यों का चहरा उस आईने में बारी बारी देखकर घर में जमीन पर कहीं पर भी थोड़ी देर आईना सीधा रख दे। इस आईने को १० मीनीट बाद प्लास्टिक बेग में लेकर किसी भी माताजी के मंदिर में जाकर रखे। यह कार्य किसी भी दिन और किसी भी समय कर सकते है। केवल एक बार ही करना है। नीचे बताए अनुसार दो संकल्प करने है।
- पूज्य दादाजी आपके बताए अनुसार कर रहे है। हमारे परिवार पर किसी ने तंत्र क्रिया की हुई है जीसे आप ही निष्क्रिय कर सकते है। गुरुदेव यह आपकी कृपा है कि आपने इतना सरल उपाय दिया है, आपका दिया हुआ यह अमृत हम ग्रहन कर रहे है। आप इस तंत्र क्रिया को निष्क्रिय करके हमारी प्रगती का रास्ता खोलीये और उन्नति के दरवाजे खोलीये , आप हम पर कृपा करे।
- श्री माताजी के दरबार में जाकर अर्जी करे कि श्री माताजी दादाजी के बताए अनुसार करम किया है यह आईना आपके दरबार में रख रहे है। आप हमारी तकलीफे दूर करे और प्रगती और उन्नति का हमे आशीर्वाद दे।

- श्री माताजी हम आपसे गुजारीश करते है कि जोस किसीने यह तंत्र किया हम पर की है वह वापस उसके घर जाये और जो परेशानी उससे हमे हुई वह परेशानी अब उसके जीवन में आये।
- आपको यह अर्जी इसलीए करनी है क्योंकि दुख बाटने कि दुकान खोलने वाले लोग अगर खुद दुखी जब तक नही होंगे तब तक उनकी दुकान चलती ही रहेगी और वो हर साल सौ दो सौ परिवार को बरबाद करता रहेगा।

### ➤ संकट से तुरन्त राहत पाने के लिए : -

- आपको गाय के कच्चे दूध और रुई का कर्म करना है।
- मेडीकल स्टोर में से लाई हुई रुई (कोटन) के रोल से करीब सत्ताइस इंच जीतना काट ले और तीन फोल्ड करके मकान या भूमि के पूरब दिशा में रख कर उस पर गाय का कच्चा दूध करीब दो लिटर की घारा करके पूरी रुई को दूध से भीगो दे। दस मीनट रुई को रखे रखने के बाद प्लास्टिक बेग में डालकर किसी भी खुले मेदान में रुई को बेग से निकाल कर जमीन पर रख देना है। यह कार्य किसी भी दिन और किसी भी समय कर सकते है।
- जब रुई पर दूध डाले तब दादाजी का संकल्प करे कि पूज्य दादाजी मैं और मेरा परिवार बहुत सारे संकटो से गुजर रहे है आप हमारे संकट तुरन्त दूर किजीए ऐसी आप से प्रार्थना है। हम आपके बताए अनुसार कर रहे है।



### ➤ नैऋत्य में टोईलेट बाथरूम हो तब



## तांबे के नाग का कर्म : -

- तांबे का नाग का करम करना है।
- तांबे का छोटा नाग बाजार से ले आये उसे दादाजी का संकल्प करके नैऋत्य कोने में बाथरूम या टोईलेट के बाहर रखना है रात भर। सुबह उसी जगह पर नाग को कुमकुम चंदन से तिलक करे फिर शिवजी के मंदिर जाये।
- मंदिर में शिवलिंग के पास घी का खड़ी लौ का दीपक जलाये दो अगरबत्ती जलाये तांब के नाग को शिवलिंग के पास रखे और श्री शिवलिंग पर अभिषेक करे। पहले पानी फिर दूध फिर शहद कम से कम 100 ग्राम फिर वापस दूध फिर पानी से अभिषेक करे। ॐ नमः शिवायः बोलते रहे और भगवान से सर्व मंगल की प्रार्थना करे।
- घर से जब निकले तब दादाजी का संकल्प करके निकले कि दादाजी हमारे घर में नैऋत्य कोने में टोईलेट बाथरूम होने की वजह से हमें आर्थिक समस्या है और हमारी प्रगति रुक गई है। आपके बताए अनुसार कर रहे हैं आप हमारा यह संकट दूर कीजिए आर्शीवाद दीजिए और महादेव जी के और श्री माताजी के आर्शीवाद दिलाये और महादेव जी से सर्व मंगल को प्रार्थना कीजिए।

## ➤ पितृदोष निवारण : -

- यह करम बहुत ही सरल है और आर्शीवाद रुपी है। बहुत अच्छे मन से और श्रद्धा पूर्वक करना है। आपको शाम के 7 से 8 में करना है। तैयारी में एक श्री फल, दो अगरबत्ती, तेल का खड़ी लौ का दिया, चार से पांच किलो हरा घास और पक्का भोजन बनाना है। (पूरी, सब्जी, दाल, चावल, मीठाई) मीठाई आप बाजार से भी ला सकते हैं। एक थाली में खाना परोसे और उस थाली को पानीहारे (जहाँ पानी पीने का मटका/साधन रखते हैं वहाँ) और चुल्हे (गैस) के बीच में रखे। दिया जलाये, अगरबत्ती करे, श्री फल फोड़ दे। जो चार से पांच किलो हरा घास लाये है उसमें से मुठी भर घास भोजन की थाली में रखे। दादाजी के नाम का संकल्प करे कि दादाजी हम आपके बताए अनुसार पितृदोष निवारण कर रहे हैं हमें आपके आर्शीवाद मिले, पितृओं से माफी मिले और उनके आर्शीवाद मिले। इसके बाद पितृओं से अर्जी करे कि जो भी हमारे पितृ हैं हमसे



नाराज है वो हमें माफी दे हमसे या हमारे बुढ़ो से या बच्चो से जो भी गलती हुई हो उसकी हमें माफी दे और हमें ख़ुब आशिष दे हम पर मीठी दृष्टि डाले, कृपा करे, कृपा करे, कृपा करे। और जो सेवा आपके लिए रखी है उस सेवा को कबुल करे ऐसा कहेकर रसोई से दस मीनट के लिए बाहर आ जाये फिर उसके बाद थाली का खाना गाय को खीला दे लेकिन मुठी भर घास और चार पांच किलो घास आखिर में गाय को खीलाना है। नारीयल (श्री फल) को तालाब, नदी, या समुद्र में प्रवाहित कर देना है। यह प्रयोग एक ही बार करना है। किसी भी दिन कर सकते हैं शाम सात से आठ में ही करना है।

## ➤ घर को उर्जावान और प्रकाशित करने के लिए : -

### 55 कपूर का करम : -

- आपको 55 कपूर की गोटी लेनी है। घर में से ही पाँच कटोरी स्टील की या मिट्टी की लेनी है। हर कटोरी में ग्यारह - ग्यारह कपूर की गोटी रख देनी है। और चार कटोरी को घर के चार कोनों में रखे और एक कटोरी को मकान के ब्रह्म में रखना है। दादाजी के नाम का संकल्प करके बारी बारी कपूर की गोटी जला देनी है। अग्नि कोने से जलाना शुरू करना है घड़ी की सूई की तरह (क्लोक वाइज) करना है। यह करम किसी भी दिन और किसी भी समय आप कर सकते हैं। ये प्रयोग एक ही बार करना है।
- दादाजी का संकल्प यह करना है कि पूज्य दादाजी हमारे घर में उन्नति और प्रगति ठहर गई है और घर में तनाव भी बहुत रहता है। दादाजी हम आपके बताए अनुसार कर रहे हैं। हमारे घर में और जीवन को प्रकाशमय कर दे।

## ➤ साधु संत की आलोचना का दोष निवारण

### बांस की टोकरी का करम : -

- एक बांस की टोकरी में सात फल लेने हैं , संकल्प करके घर में रखने हैं एक रात के लिए। दूसरे दिन किसी साधु को विनंती करके अपने घर बुलाकर यह फलों की टोकरी भेंट करनी है। टोकरी भेंट करने का तरीका यह होगा कि

दादाजी के नाम की एक अगरबती घर में जलाये और फिर आप घर के मुख्य द्वार की चौखट के अंदर खड़े रहेना है और साधु महाराज को चौखट के बाहर खड़े होकर टोकरी स्वीकारनी है इसके बाद आप अगर किसी प्रेरणा से उनको घर में बुलाकर कोई और सेवा करना चाहे तो वो आपकी मर्जी।

- अगली रात को टोकरी जब सजाये तब दादाजी का संकल्प कर दे कि दादाजी आपके बताए अनुसार कर रहे है जाने अनजाने कभी किसी साधु संत की अवमानना हमसे हो गइ हो तो हमे उसकी माफी मीले और हमे आपके आर्शीवाद मीले।
- बांस की टोकरी में नीचे बताए अनुसार फल रखने है।
- एक सेब, एक अनार, दो केले, तीन चीकु, कुल सात फल।
- अगर साधु महाराज घर पर नही आते है तो टोकरी रखने के दूसरे दिन बाहर जाकर किसी साधु को ढूँढे और उनसे बिनंती किजीए कि मैं आपकी कुछ सेवा करना चाहता हु आप यहीं रुके रहे मैं थोडे समय में ही वापस आता हु। और तुरन्त घर जाये दादाजी के नाम की अगरबती जलाकर बांस की टोकरी लेकर साधु महाराज जहाँ बैठे थे वहाँ से सौ मीटर की दूरी पर अपना वाहन रख दे और नंगे पाँव पैदल चलकर साधु महाराज के पास जाये और अपनी सेवा पूरी कर दे।

➤ **पैसो की कमी दूर करने के लिए करम : -**

**कागज और हरे पत्ते का करम : -**

- आपको जब पैसो की कमी महसूस हो तब यह करम करना है। कोरे कागज 10 से 12 नंग ले। उसके टुकड़े कर दिजीए। किसी भी पेड से हरे पत्ते तोडीये लेकिन उसके टुकड़े न करे। कागज के टुकड़े और हरे पत्ते दोनो को मीक्स कर दिजीए। पूज्य दादाजी का संकल्प करके उन्हे छत पर या आंगन में या मुख्य द्वार में इनको आकाश की तरफ उडाकर वर्षा किजीए। उसके बाद ये जो हरे पत्ते और कागज के टुकड़े जमीन पर गीर जाये तब दस पंद्रह मीनीट के बाद हाथ से एकठा करके नदी या तालाब में प्रवाहित कर दिजीए। यह करम आप

किसी भी दिन और किसी भी समय कर सकते हैं। यह करम एक ही बार करना है।

- दादाजी का संकल्प यह करना है कि पूज्य दादाजी हमारे घर में उन्नति और प्रगति ठहर गई है और घर में पैसो की और जीवन में हरियाली की कमी महसूस कर रहे हैं। दादाजी हम आपके बताए अनुसार कर रहे हैं। हमारे घर में ख़ुब पैसो की और हरियाली की वर्षा किजीए जीवन को प्रकाशमय बनाने की कृपा करें।

## ➤ सेंट्रिक टैंक का निवारण : - ( जब सेंट्रिक टैंक, सोकपिट या अंडर ग्राउन्ड वोटर टैंक गलत जगह हो तब----।)

- एक तांबे के लोटे में गाय का कच्चा दूध ले और उसमें थोड़ा ओरेन्ज कलर का सिंदूर डाले फिर उसके बाद दादाजी का संकल्प करना है। ये सिंदूरयुक्त दूध सेंट्रिक टैंक में डाल दिजीए और उपर से एक रुपैया और चारआने का सिक्का डाले उसके बाद अशोका वृक्ष की डंडी लके सेंट्रिक टैंक के चारो और धुमा (लकीर बना) लिजीए और इस टैंक के चारो तरफ हरे पत्ते बीछा दिजीए किनारी किनारी पर, हरा पत्ता एक से दूसरा जुड़ा होना जरूरी है। बाद में डंडी को और हरे पत्तों को पानी में बहा देना। यह करम एक ही बार करना है। किसी भी दिन और किसी भी समय आप कर सकते हैं।
- दादाजी का संकल्प यह करना है कि पूज्य दादाजी हमारे घर में उन्नति और प्रगति ठहर गई है और घर में पैसो की और जीवन में हरियाली की कमी महसूस कर रहे हैं। दादाजी हम आपके बताए अनुसार कर रहे हैं। हमारे घर में ख़ुब पैसो की और हरियाली की वर्षा किजीए जीवन को प्रकाशमय बनाने की कृपा करें। पानी का जो गलत संग्रह है उसके दोष का आप निवारण हो जाये ऐसा आर्शीवाद दिजोए।

## ➤ मकान का निर्माण शुरू करने से पहले यह करम करे : - भूमि को और भूमि में रहनेवाले सभी जीवों को तृप्त करने हेतु

- एक बालटी में आधा पानी, आधा गाय का शुद्ध कच्चा दूध और सवा कीलो चावल मीक्स करके दादाजी का संकल्प करके पूरी भूमि में छीड़काव कर दे (clock wise)। दो अगरबत्ती लेके दादाजी का संकल्प करके पूरी भूमि में गुमा देनी है। एक व्यक्ति दूध, पानी और चावल की घारा करे और दूसरा व्यक्ति उनके पीछे अगरबत्ती लेके चले यह प्रयोग एक बार ही करना है। किसी भी दिन और किसी भी समय कर सकते हैं। काम शुरू करने से पहले।
- दादाजी का संकल्प यह करना है कि पूज्य दादाजी हम आपके बताए अनुसार कर रहे हैं हम मैं आपका आशीर्वाद मीले इस भूमि पर रहने हेतु या कार्य हेतु भुवन निर्माण करने जा रहे हैं। इस भूमि में रहनेवाले हर जीव का आशीर्वाद मीले और भूमिमाता का आशीर्वाद मीले। साथ में भूमि माता से प्रार्थना करे कि वो आपको आशीष दे।

## ➤ कर्मदोष निवारण : - इस जन्म और पूर्व जन्म के दोषों के निवारण हेतु

- किसी नदी के किनारे जाये घर से एक बड़ी थाली लेकर जाये। नदी के किनारे से करीब दस कदम दूर खड़े रहे। आप का मुख नदी की तरफ होगा आपके हाथ में थाली होगी और इस थाली में पानी भरना है। अब पूज्य दादाजी का संकल्प किजीए पूज्य दादाजी आपके बताए अनुसार कर रहा हूँ या कर रही हूँ जाने अनजाने इस जन्म में या किसी पूर्व जन्म में मुझ से जो भी कोई पाप करम हुआ हो वो पाप कर्म इस करम से घुल जाये मुझे आपके आशीर्वाद की जरूरत है। संकल्प करके आपको थाली हाथ में लिए हुअे पाँच कदम नदी की तरफ चलना है फिर थाली जमीन पर रख देनी है, छठा और सातवा कदम थाली में रखना है। नीचे झुक कर थाली में से थोड़ा पानी लेकर अपनी आँखों और मस्तक को स्पर्श करते हुअे माता विधाता से और परमात्मा से माफी और

आशीष मांगने है, थाली में से बाहर आ जाये और थाली उठाकर घुटनो तक नदी में जाकर खड़े होकर थाली में भरा पानी नदी में प्रवाह कर दिजीए। सर्व मंगल की प्रार्थना करते हुओ बाहर आ जाये।

- अगर घर के चार सदस्य यह करम करने नदी किनारे साथ जा रहे है तो चार अलग थाली लेकर जाना आवश्यक है। यह प्रयोग एक ही बार करना है।

### ➤ उल्टे पैर अगरबती का करम : -

- यह करम किसी भी दिन और किसी भी समय कर सकते है। मुख्य दरवाजे की वीपरीत दिशा में जाकर एक अगरबती जलाये और पूज्य दादाजी का संकल्प करे दादाजी आपके बताए अनुसार कर रहा हु या कर रही हु इस घर में जो भी गलत उर्जा है वो दूर हो जाये आपके आर्शीवाद की जरूरत है। इसके बाद आपको अगरबती जलाकर मुख्य ध्वार की तरफ पीठ हो इस तरह खड़े हो कर एक और संकल्प आसुरी शक्तियो से करना है। जो भी असुरी शक्ति इस घर में है उनसे हमारी प्रार्थना है कि वो हमारा आदर सत्कार प्राप्त करके हमारे घर को छोड दे और जाते जाते इस घर में रहनेवाले सभी लोगो को आर्शीवाद देकर जाये। ऐसा कहने के बाद बीना मुडे उल्टे पाँव घर से बाहर कम्पाउन्ड से बाहर जा कर कही भी आदर से अगरबती रख दे और नमन कर के चले आये। यह कर्म एक बार ही करना है। किसी भी दिन और किसी भी समय कर सकते है।

### ➤ मटकी का करम : -

- ये प्रयोग रात के 10:00 से 12:00 के बीच करे।
- एक छोटी लाला रंग की मटकी ले। दो लीटर की केपेसिटी वाली मटकी। उसमे पानी आधे तक भरे। उसमे सवा रुपिया (एक रुपया और चार आना या आठ आना डाले) चुटकी नमक डाले, चुटकी कुम-कुम डाले, एक साबूद सुपारी डाले, एक पीला नीबू डाले और एक मिठाई का टुकडा (या चीनी) डाले। फिर मटकी के उपर हरा नारियेल रखे। इस पूरी मटकी और नारियेल को एक प्लास्टिक की बेग में रखे (केरी बेग)। इस मटकी में पानी या अन्य सामान

डाल ने कि जो किया है वह मुख्य द्वार के पास बैठकर करना है। सामान डालने के बाद पूज्य दादाजी का संकल्प करना है संकल्प करके केरी बेग समेत मटकी को उठा लेना है और आवास या भुवन या प्लोट में क्लोक वाइझ घड़ी की सुइ के हिसाब से आवास या प्लोट में परिक्रमा करनी है और गोल घुम कर वापस मुख्य द्वार पर आजान है और बीना रुके चौराहे पर जाकर चौराहे के बीच में केरो बेग समेत मटकी रख देनी है। रखने के बाद पीछे मुड़कर देखना नहीं है।

- वापस आकर बाहर ही बाहर हाथ पाँव घोकर आवास में प्रवेश करना है।
- जीस का मकान ग्राउन्ड और फर्स्ट फ्लोर है उसे फर्स्ट फ्लोर पर मटकी नहीं घुमानी है। लेकिन अगर आप फ्लेट में रहते है तो किसी भी मंजील पर रहते है तो आप यह करम कर सकते हो।
- इस बात का विशेष ध्यान रखे की एक बार मटकी हाथ में ले लेने के बाद से हाथ पाँव धोने तक जीतने भी व्यक्ति इस कार्य में सामील है वो एक दूसरे से बात नहीं करेंगे।
- स्कुटर, मोटर सायकल, कार में जा सकते है। लेकिन मटकी को गोद में रखे पर कार के फर्स पर न रखे।
- यह पहले से तय कर ले कि कोन से चौराहे पे जाना है और व्हीकल कहाँ खड़ा रखेंगे और वापीस किस रास्ते से आयेंगे। मटकी को पार कर के यु टर्न लेके लौटना नहीं है।
- यह करम आप खुद करे तो बहुत अच्छा है नहीं तो आप किसी व्यक्ति से मदद ले सकते है।
- संकल्प यह करना है पूज्य दादाजी आपके बताए अनुसार कर रहे इस जगह में जो भी कोई आसुरी शक्ति है, जो भी कोई संकट है, जो भी कोई विघ्न है वो दूर हो जाये और हमारा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आये। आपके ऐसे आर्शीवाद की जरूरत है।

## ➤ चंडीपाठ : -

- घर में जब अधिक से अधिक तकलीफ हो तब यह करम कर ले।

- किसी पंडित को बुलाकर एक ही दिन में ग्यारह बार चंडीपाठ करना है। यह कार्य एक पंडित से संभव न होने कि वजह से आपको तीन या पांच पंडितों को आमंत्रित करना होगा। हर चंडीपाठ के पश्चात आचमनी में जल लेकर तांबे के लोटे में ड़कठा करना है और ग्यारह चंडीपाठ की पूणाहुती पर अशोका के पेड़ के दो पत्तों से ड़कठा किया हुआ जल पूरे घर में छिंटकाव करना है। पूज्य दादाजी का संकल्प कर ले।

### ➤ भूत के सपने या गंदे सपने आते हो तब : -

- जब कभी भी अचानक राह चलते आपकी नजर किसी लोहे की चीज पर पड़ जाये, चाहे वो कोई कील हो, चाहे वो कोई नट हो, चाहे वो कोई लोहे की वस्तु हो उसे उठा ले। हाथ में रखकर पूज्य दादाजी का संकल्प करके अपने मस्तक पर स्पर्श करके बीना पीछे देखे अपने सिर के ऊपर से पीछे डाल दे और आगे बढ़ जाये। यह करम एक ही बार करना है।
- संकल्प यह करना है कि पूज्य दादाजी मुझे गंदे गंदे सपने आते हैं मैं आपके बताए अनुसार कर रहा हूँ या कर रही हूँ मुझे आर्शीवाद दीजिए। इस करम को करने के बाद गंदे गंदे सपने आने बंद हो जाये। दादाजी के आर्शीवाद से आपको अच्छा हो जायेगा।
- अगर आप उतर में सिर रख के सोते हैं तो आप सिर दक्षिण या पश्चिम में रख कर सोये।